

प्रेषक,

मोहम्मद शाहिद,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

सूचना अनुभाग

देहरादून: दिनांक 01 फरवरी, 2015

विषय:- वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिए द्वितीय अनुपूरक द्वारा सचिवालय मीडिया सेन्टर का रिनोवेशन हेतु धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

कृपया वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश सं0-983/XXVII(1) /2014, 11 दिसम्बर, 2014 एवं आपके पत्राक-1191/सू0एवंलो0सं0वि0(लेखा)/एस.पी.ए./2014-15, दिनांक 24 जून, 2014 एवं उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड हरिद्वार इकाई, जिला हरिद्वार द्वारा उपलब्ध कराये गये आगणन के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून हेतु वित्तीय वर्ष 2014-15 के अनुदान संख्या-14 के लेखाशीर्षक-4059-लोक निर्माण कार्य पर पूजीगत परिव्यय-60-अन्य-051-निर्माण-01-केंद्रीय आयोजनागत/केंद्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाये-01- मीडिया केंद्रों का सृदुदीकरण (90 प्रतिशत के0स0)-24-वृहत् निर्माण कार्य के आयोजनागत पक्ष में संशोधित आगणन धनराशि रू0 486.13 लाख (रू0 चार करोड़ छियास्सी लाख तेरह हजार मात्र) के सापेक्ष टी0एस0सी0 वित्त, उत्तराखण्ड शासन द्वारा परिक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण कुल धनराशि रू0 481.35 लाख (आगणन की आंकलित धनराशि रू0 67.56 लाख के सापेक्ष औचित्यपूर्ण धनराशि रू0 62.78 लाख एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के अनुसार आगणन में प्राविधानित धनराशि रू0 418.57 लाख) के सापेक्ष 90% केन्द्रांश रू0 4,33,21,500/- (रू0 चार करोड़ तैंतीस लाख इक्कीस हजार पाँच सौ मात्र) एवं राज्यांश के रूप में 10% रू0 48,13,500 (रू0 अड़तालीस लाख तेरह हजार पाँच सौ मात्र) अर्थात् कुल धनराशि रू0 481.35 (रूपये चार करोड़ इक्कासी लाख पैंतीस हजार मात्र) संलग्न विवरणानुसार एवं निम्न प्रतिबन्धों के साथ व्यय करने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2- आगणन में प्राविधानित धनराशि रू0 418.57 लाख के कार्यों हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

3- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है, कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय संबंधित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

4- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को, जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृति नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गयी है, की स्वीकृति नियमानुसार कम से कम अधीक्षण अभियन्ता स्तर के अधिकारी से करा लें।

5- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी। कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि की स्वीकृति दी गयी है।

6- एक-मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व, विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाए।

7- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को संज्ञान में लेते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

8- निर्माण सामग्री को कय करने से पूर्व मानकों एवं स्टोर पर्चेस नियमों का पालन कड़ाई से किया जाय।

9- कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता से कार्य स्थल का भली-भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय, तथा निरीक्षण के पश्चात् दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।

10- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला में अवश्य करा लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए।

11- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आंगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।

12- इस संबंध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-14 के लेखाशीर्षक-4059-लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय-60-अन्य-051-निर्माण-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाये-01-मीडिया केन्द्रों का सृदुद्धीकरण (90 प्रतिशत के0स0)-24-वृहत् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

13- उपर्युक्त स्वीकृति वित्त विभाग के शासनादेश सं0-318/XXVII (1)/2014, दिनांक 18.03.2014, शासनादेश सं0-497/XXVII(1)/2014, दिनांक 29.05.2014 एवं शासनादेश सं0-622/XXVII (1)/2014, दिनांक 26.06.2014 व शासनादेश सं0-983/XXVII(1)/2014, दिनांक 11.12.2014 में निहित दिशा-निर्देशों के क्रम में जारी की जा रही है।

14- उपरोक्त आदेश की स्वीकृति वित्त विभाग के अ.शा.पत्र सं.-122P/XXVII(5)/2014-2015, दिनांक 28 फरवरी, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक- यथोपरि

भवदीय,

(मोहम्मद शाहिद)
सचिव।

पू0संख्या- 99 /XXII/2015, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेख एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- प्रमुख सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- परियोजना प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश, राजकीय निर्माण निगम, हरिद्वार इकाई, हरिद्वार।
- 5- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 6- वित्त अनुभाग-5/7, वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- एन.आई.सी., सचिवालय परिसर।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(डा० शैलेश कुमार पं.)
उप सचिव।

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20142015

Secretary, Information (S024)

आवंटन पत्र संख्या - 99/XXII/2015-9(11)2013

अलोटमेंट आई डी - S1503140068

अनुदान संख्या - 014

आवंटन पत्र दिनांक - 07-Mar-2015

HOD Name - Director Information (4731)

- 1: लेखा शीर्षक 4059 - लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय 60 - अन्य
051 - निर्माण 01 - केन्द्रीय आयोजनागत/ केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योज
01 - मीडिया केन्द्रों का सुदुद्रीकरण (90 प्रतिशत के0स0)

			Plan Voted
मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	योग
24 - इन्हव निर्माण कार्य	0	48135000	48135000
	0	48135000	48135000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes - 48135000